









## श्रीलंका ने भी चैपियन इंग्लैंड को धो डाला

बंगलुरु।

लाहिरु कुमारा (35 रन पर 3 विकेट) और एंजेलो मैथ्रूज (14 रन पर 2 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद पथम निःसंका (नावाद 77) और संदीरा समाराविक्रमा (नावाद 65) के बेहतरीन अध्यास के साथ श्रीलंका ने इंग्लैंड को विश्व कप युक्तावले में खराब को आठ विकेट से धोका अपनी दूसरी जीत दर्ज की। खराब दौर से गुजर रहे इंग्लैंड को पांच मैचों में अपनी चौथी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसके लिए सेमीफाइनल की उम्मीदों को नई उड़ान दे दी है। श्रीलंका ने इससे उपरोक्त अपने पिछों तीन मैच लगातार

गंवाए थे लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में उसने गेंद और बले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हालांकि श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और उसने अपने दो विकेट 23 रन पर गवा दिए। डेविड विलिनी ने कुशल पराया (4) और कपान कुशल मैडिस (11) को पवेलियन का रासा खिलाया, लेकिन इसके बाद निःसंका और समाराविक्रमा ने तीसरे विकेट के लिए 137 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की ओर टीम को जीत की मजिल पर पहुंचाया। निःसंका ने 83 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्के लगाए, जबकि इंग्लैंड की तरफ से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाये, जबकि जानी वेरस्टो ने 30 और डेविड मलान ने 28 रन का योगदान दिया। मोइन अली के बले से 15 और डेविड विलिनी के बले से नावाद 14 रन निकले। विलिनी ने इंग्लैंड की पारी का एकमात्र छक्का लगाया। श्रीलंका की तरफ से कुमारा ने तीन, मैथ्रूज ने दो और कसुन रंजित ने 36 रन पर दो विकेट लिए।



एशियाई पैरा खेलों में सहिन ने गोला फेंक में स्वर्ण जीता

हांगड़ाउ।

भारत के सचिन खिलारी ने चीन में जारी चौथे प्रशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। सचिन ने पुरुषों की गोला फेंक-एफ 46 स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक लाइसिंग के लिए विश्वासीय विश्वकप में खिलाड़ियों के बाहर रहे। खिलारी और पाक की टीम 5 का सामना दूसरी बार खेला। एसें में से सिर्फ 2 ही मैच जीत सकी है और 4 अंक लेकर छठे नंबर पर अपने बचे हुए सभी चार मैच की अपेक्षा तीन बार खेला। एक अन्य मुकाबले में भारत की ही श्रीलंका ने पुरुषों की 100 मीटर टी-35 दौड़ में 14.37 मीटर समय निकालकर कांस्य पदक लाइसिंग की राह पर आठवें विकेट पर अपने बचे हुए दूसरी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल की उम्मीदों को नई उड़ान दे दी है। श्रीलंका ने इससे उपरोक्त अपने पिछों तीन मैच लगातार



नई दिल्ली।

मुकुंद शशिकुमार, रिया भाटिया और सहजा यमलाली प्रो टेनिस लीग (पीटीएल) के पांचवें संस्करण के लिए यहां शनिवार को आरंके खाली टेनिस स्टेडियम में होने वाली नीलामी के लिए खिलाड़ियों के पूल का हिस्सा हो गई। एसें में से 4 मैच जीते हैं और 4 अंक लेकर छठे नंबर पर जीत दर्ज की राह पर आठवें विकेट पर अपने बचे हुए दूसरी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल की राह पर आठवें विकेट पर अपने बचे हुए सभी चार मैच की अपेक्षा तीन बार खेला। एक अन्य मुकाबले में भारत की ही श्रीलंका ने पुरुषों की 100 मीटर टी-37 दौड़ में 12.24 सेकंड समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

विभाजित किया गया है - पुरुष प्रो (1 खिलाड़ी), महिला प्रो (1 खिलाड़ी), नेवस्ट-जैन पुरुष प्रो (1 खिलाड़ी), नेवस्ट-जैन महिला प्रो\* (1 खिलाड़ी) और मास्टर्स खिलाड़ी - 1 खिलाड़ी (पूल से ही आवंटित)। युक्ति ने 17 अक्टूबर 2019 को हासिल की गई 229 की करियर-उच्च एटीपी एकल रैंकिंग हासिल की है। उक्ते पास 3 फरवरी 2020 को हासिल की गई 431 की करियर-उच्च एटीपी युगल रैंकिंग भी है, जबकि रिया की एकल में करियर की उच्चतम डब्ल्यूएफ-रैंकिंग 2 मार्च, 2020 को 338 है और युगल में 17 मई, 2021 को 387 थी। उन्होंने

पहले से ही काल्पनिक मूल्य दिए गए हैं। प्रत्येक खिलाड़ी के लिए बोली प्रक्रिया खिलाड़ियों के न्यूनतम बोली मूल्य पर शुरू होती औं लीग एकसेवनी शीट द्वारा बताए गए कैप या अधिकतम मूल्य तक जा सकती है जो मूल्य होती और गिरियाली होती है। किसी भी टीम को अपने बजट से अधिक की अनुमति नहीं दी जाएगी प्रो टेनिस बिजनेस डेवलपमेंट पुरुष अभियांत्रियों ने कहा, जैसा कि हम खिलाड़ियों के आगले समूह के लिए अपने बढ़ेगी। टीम के सदस्यों को प्रक्रिया के लिए 1,00,00,000 अंकों का वर्तुल अल बजट दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि पीटीएल स्पोर्स वूप द्वारा महत्वपूर्ण शोध के बाद पूल के प्रत्येक खिलाड़ी को अधिकतम स्पॉर्स वूप द्वारा महत्वपूर्ण शोध के बाद गवास्टर कैलेब्रिटी और संस्करण में से एक है। यह छह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है। यह था एक अंकित वसनायी प्रयास था। उन्होंने जिन रस बनाए और जिस गति से रस बनाए। उनका औसत 12 का रहा था। यह अनुहृत था। वहीं वाँटसंस में ऐक्सेस्वेल की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने इससे सीखा, पहली गेंद में डालने की कोशिश की। वह पहली गेंद से नियंत्रण में था और फिर एक बार उन्हें पैर लगाया गया। यह रस के लिए चला गया। यह 12 होना चाहिए। इसके बाद गेंदबाज घबरा गये क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि कहा गेंदबाज करनी है।



## हर उम्र में जरूरी है दूध

हम बचपन से ही दूध पीने लगते हैं लेकिन बड़े होने पर दूध का सेवन कम होता जाता है। कुछ लोग सोचते हैं कि इसके सेवन से उनके आहार में ज्यादा वसा हो जायेगा। कुछ लोग इसलिए दूध नहीं पीते क्योंकि वह सोचते हैं कि वह अब बड़े हो गये हैं इसलिए उन्हें अब इसकी जरूरत नहीं होती। दूध हमारे आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।



## हर उम्र में जरूरी है

# दूध

दूध प्रोटीन, खनिज और विटामिन का पौष्टिक एवं सस्ता स्रोत है। बावजूद इसके, दूध को दरकिनार करके सोडा, जूस और स्पोर्ट्स ड्रिंक्स जैसे अधिक मीठे पेय पदार्थों का सेवन किया जाता है। इससे मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसी आहार संबंधी बीमारियां होने का खतरा होता है। अधिक मीठे पेय पदार्थों के स्थान पर घोषक तत्वों से युक्त दूध को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यह हम आपको बता रहे हैं कि

हर उम्र में दूध क्यों जरूरी है?

### बचपन

बचपन में शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक बच्चों को ज्यादा शक्ति युक्त पेय पदार्थ नहीं बल्कि दूध देना चाहिए। दूध में मौजूद प्रोटीन संतुलित अमीनो एसिड से बनता है जो जैविक रूप से उपलब्ध है। यह आसानी से पचाजाता है और शरीर में इसका इस्तेमाल होता है। दूध के कैलिश्यम से बच्चे की विकासशील हड्डियों, दाँतों और मसिष्ठ के ऊतकों को बढ़ाने में मदद मिलती है और यह कोशिकीय स्तर पर उन रासायनिक प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है जो मांसपेशियों एवं तंत्रिका तंत्र की कार्यक्षमता को संतुलित करती है। अतिरिक्त पोषण तत्वों से युक्त दूध से विटामिन भी मिलता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण विटामिन है जो हड्डियों की मजबूती के लिए शरीर को कैलिश्यम, फारस्फोरस को पचाने में मदद करता है, लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाता है, पचान और तंत्रिका प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है और प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देता है। 11 साल की उम्र तक के बच्चों को रोजाना कम से कम दो बार दूध और डेयरी उत्पाद देने चाहिए।

### किशोरावस्था

मजबूत हड्डियों के लिए जरूरी किशोरों को भी शुगर युक्त

पेय पदार्थों के बजाय दूध देना चाहिए क्योंकि किशोर असाधारण शारीरिक परिवर्तन से गुजरते हैं। उन्हें हार्मोन संबंधी, मासपेशियों एवं रक्त संचार के अधिकतम विकास के लिए ऊर्जा युक्त पोषक तत्वों से भर्यारूप खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होती है। ऐसे में दूध बहुत फायदेमंद हो सकता है ताकि जीवन में कभी भी आपकी हड्डियों में कमजूरी नहीं आए तथा अस्टिट्योपोरोसिस की समस्या न हो। दूध के आर्थिक्यजनक फायदों के मद्देनजर किशोरों को रोजाना तीन या अधिक बार कम वसा वाले दूध उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

### वयस्क अवस्था

इस अवस्था में भी शरीर को कैलिश्यम की जरूरत होती है। विटामिन भी और फारस्फोरस के बारे सरी उम्र के वयस्कों के लिए हड्डियों के कमजूर होने का खतरा होता है, इसलिए दूध की आवश्यकता बड़ी रहती है। ब्रॉकोली और पालक के लिए रूप में अन्य कैलिश्यम युक्त गैर डेयरी आहार का सेवन करना अच्छा किलप हो सकता है। लेकिन इनमें से कुछ में ऐसे योगिक मौजूद होते हैं जिससे कैलिश्यम के अवश्योग में बाधा पड़ सकती है। पालक में ऑक्सोलेट अधिक होते हैं जो कैलिश्यम अवश्योग में बाधा डालते हैं जबकि ब्रॉकोली आदि अन्य सब्जियों में मौजूद कैलिश्यम दूध की तरह आसानी से नहीं पचता है।

## नहीं झड़ेंगे बाल न ही होंगे सफेद

शहरी जीवनशैली के कारण लोगों में तनाव इतना अधिक रहता है कि उसका असर बालों तक पर देखने को मिलता है। किसी के बाल झड़ने लगते हैं तो किसी के सफेद होने लगते हैं। लेकिन योग कि कुछ क्रियाएं ऐसी समस्याओं से आपके बालों की दस्ता कर सकती हैं।

बालों का झड़ना तथा उनका असमय सफेद होना आज एक बहुत बड़ी समस्या बन गई है। कम उम्र में ही, यहां तक कि बच्चों में भी यह समस्या देखने को मिल रही है। आज की तानामय, यात्रिक तथा अप्राकृतिक खान-पान वाली जीवनशैली ही इस समस्या के लिए उत्तरदायी है। योगिक क्रियाओं के नियमित अभ्यास से इस समस्या का साधीय समाधान सम्भव है।

### आसन

आसनों के अभ्यास से बालों की गम्भीर से गम्भीर समस्या का निदान संभव हो जाता है। यह इस समस्या के मूल कारण-रक्त संचालन दोष, पाचन दोष तथा ग्रथियों के श्रव के रुकावट को दूर करता है। इसके प्रयोग महत्वपूर्ण आसन हैं-सर्वाग्रासन, हलासन, शीषासन, ताङासन, पादहस्तासन, भुजासन, धनुरासन आदि। आठ वर्ष की आयु से अधिक के बच्चों को सूर्य नमस्कार

का प्रतिदिन अभ्यास कराना चाहिए।

**त्रिकोण शिरासन की अभ्यास विधि**  
दोनों पैरों को आपस में जोड़ कर खड़े हो जाएं। दो गहरी श्वास-प्रश्वास लें। इसके बाल दोनों पैरों ने अपने दोनों हाथों को पीट के पीछे नमस्कार की मुद्रा में रखें। फिर धीरे-धीरे आगे की ओर इनका द्वितीय लिंग के लिए जीवनशैली के अभ्यास कराना चाहिए।

### विशेष

सर्वाग्रासन के नियमित अभ्यास से इस समस्या का पूर्ण समाधान हो जाता है। अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करना आठ वर्ष की आयु से अधिक के बच्चों को सूर्य नमस्कार

चाहिए। इसके अभ्यास के बाद भुजंगासन, धनुरासन या मत्स्यासन अवश्य करें।

### प्राणायाम

बालों की समस्या के समाधान में प्राणायाम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए महत्वपूर्ण प्राणायाम हैं-नाड़ी शोधन तथा उज्जायी।

### उज्जायी प्राणायाम की अभ्यास विधि

किसी भी आसन में बैठ जाएं। रीढ़, गले व सिर को सीधा करें। विशेष स्थितियों में कुर्मी पर बैठ जाएं। श्वास नली को थोड़ा सुकुचित कर एक गहरी तथा धीरी श्वास नासिका द्वारा अन्दर लें तथा इसी नासिका द्वारा ही बाहर निकालें। इसी प्रकार इस क्रिया को 12 श्वास-प्रश्वास के साथ करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की सख्त बढ़ाते जाएं। कैसी हो आहार-विटामिन-ए की अधिकता बाल भोजन अधिक लाभदायी होती है।

## भोजन में बदलाव कर सकता है तनाव मुक्त



नेमेटी लॉस के लक्षण की शुरुआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। कुछ चीजों को अपने रोजमारी के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिनांगी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं।

सौरभ बार-बार कर्बड़ का दरवाजा खोल रखा था मगर उसे याद नहीं आ रहा था कि उसे क्या काम था। कभी वह अपनी कारी की चाची रख कर भूल जाता, तो कभी कोई दूसरा सामान। जिसे याद करने में उसे काफी बहुत तरह नहीं होता है। हालांकि यह ज्यादा खिंचता की बात नहीं है। जाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरुआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस कीर्ति के कई रुकावट खत्म होते हैं। अगर यह बात सामने आई है कि कुछ चीजों को अपने रोजमारी के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिनांगी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसे खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है।

पोषक तत्व दिनांगी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसे खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। यह अपने रोजमारी के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। यह अपने रोजमारी के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है।

पोषक तत्व दिनांगी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसे खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। यह अपने रोजमारी के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। यह अपने रोजमारी के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है।

पोषक तत्व दिनांगी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसे खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है।

जा सकता है। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि यह पका हुआ होना चाहिए। सूरजमुखी और तिल के बीज विटामिन ई के अच्छे सोते माने जाते हैं। एक आदर्श सूरजमुखी के भूने बीज आपकी हर रोज की 30 प्रतिशत कमी पूरी कर देते हैं। इसे सलाद के ऊपर छिप कर खाने से मसिष्क को पोषण मिलता है। तिल के बीज में भी विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है। इसे अपने दोनों ह





## मासमा में जीआईडीसी से 50 लाख से अधिक कीमत का 8000 किलोग्राम संदिग्ध घी बरामद

**क्रांति समय**

[www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com)  
[www.guj.krantisamay.com](http://www.guj.krantisamay.com)  
[www.epaper.krantisamay.com](http://www.epaper.krantisamay.com)  
[www.rti.krantisamay.com](http://www.rti.krantisamay.com)

ओलपाड के मासमा जीआईडीसी में बड़ी मात्रा में संदिग्ध घी मिलने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। खुलासा हुआ है कि जिला एलसीबी और पैरेल फर्ले स्कॉर्ड की संयुक्त छापेमारी में ही इंडस्ट्रियल एस्टेट के एक गोदाम से संदिग्ध घी का जथा मिला है। 50 लाख से अधिक कीमत के 8000 किलोग्राम से अधिक की जब्ती चर्चा का विषय बनी हुई है।



है। पुलिस ने एफएसएल और खाद्य एवं औषधि विभाग को सूचित कर आगे की जांच की है। जानकारी के मुताबिक, खाद्य एवं औषधि विभाग द्वारा संदिग्ध घी के सैंपल ले लिए गए हैं। पुलिस ने शिकायत भी दर्ज कर ली है। एफएसएल की रिपोर्ट मिलने के बाद अपराध दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने यह तलाश शुरू कर दी है कि घी कहां से आया और मालिक का गोदाम क्या

## लिव-इन में झगड़े के बाद प्रेमी ने प्रेमिका पर सरेआम धारदार हथियार से वार किया

प्रेमिका अपने मां के घर जा रही थी जिसे रोकने के लिए किया चाकू से जानलेवा हमला

पुलिस ने आरोपी को कीप से गिरफ्तार किया

**क्रांति समय**

[www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com)  
[www.guj.krantisamay.com](http://www.guj.krantisamay.com)  
[www.epaper.krantisamay.com](http://www.epaper.krantisamay.com)  
[www.rti.krantisamay.com](http://www.rti.krantisamay.com)

को पुलिस ने कीप में गिरफ्तार कर खटेदर जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने आरोपी से हमले में प्रयुक्त धातक हथियार और तीन से चार बार चाकू मारा और भाग गया। घटना में गंभीर और लड़की पिछले दो साल से स्व से घायल लड़की को लिव-इन रिलेशनशिप में रह उपचार के लिए न्यू सिविल



ने युवती को चाकू मार कर जानलेवा हमला किया था। हमलावर प्रेमी ने लड़की को अप्रूक्त धातक हथियार और तीन से चार बार चाकू मारा और भाग गया। घटना में गंभीर और लड़की पिछले दो साल से स्व से घायल लड़की को लिव-इन रिलेशनशिप में रह उपचार के लिए न्यू सिविल

## एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग 163 करोड़ की लागत से तैयार

नए टर्मिनल में यात्रियों के लिए होंगी नई सुविधाएं, 26 लाख यात्री क्षमता

इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा किये जाने की संभावना है

**क्रांति समय**

[www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com)  
[www.guj.krantisamay.com](http://www.guj.krantisamay.com)  
[www.epaper.krantisamay.com](http://www.epaper.krantisamay.com)  
[www.rti.krantisamay.com](http://www.rti.krantisamay.com)

सूरत में डायमंड बुर्स बनकर तैयार है और प्रधानमंत्री मोदी 17 दिसंबर को इसका उद्घाटन करने वाले हैं। सूरत एयरपोर्ट को नया टर्मिनल भी मिल जाएगा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय दर्जा भी मिलना संभव है। इस बीच सूरत एयरपोर्ट पर 163 करोड़ की लागत से नई टर्मिनल बिल्डिंग बनकर तैयार है।

सरकार ने 2022 में सूरत हवाई अड्डे के पुनर्विकास के लिए 353 करोड़ स्पैये मंजूर किए हैं, जिसमें से 163 करोड़ स्पैये दोनों तरफ मौजूदा टर्मिनल भवन के विस्तार के लिए हैं। इनकी अनुमति दर्जा भी मिलना संभव है।



को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से एयरोब्रिज की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। एयरपोर्ट पर 5 नए एयरोब्रिज में से 4 एयरोब्रिज लगाए जा चुके हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि सूरत हवाई अड्डे की हयात टर्मिनल इमारत अपग्रेड के बाद 4-स्टार के अनुस्तुत होगी। पीक आवर्स के दौरान यह 1800 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। इसमें 20 चेक-इन काउंटर, 5 एयरोब्रिज, 13 इमिग्रेशन काउंटर और 5 बैगेज कैरेसेल की आधिकारिक सुविधाएं होंगी। निर्माणाधीन टर्मिनल भवन जल्द ही यात्रियों को आसान, आरामदायक और परेशानी सुख यात्रा में मदद करेगा।

## स्वास्थ्य एवं खाद्य विभाग ने घारी विक्रेता के यहां से लिए सैंपल

**क्रांति समय**

[www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com)  
[www.guj.krantisamay.com](http://www.guj.krantisamay.com)  
[www.epaper.krantisamay.com](http://www.epaper.krantisamay.com)  
[www.rti.krantisamay.com](http://www.rti.krantisamay.com)

सूरत पूरी दुनिया में एकमात्र शहर है जो चांदनी पडवा (शरद पूनम) के दिन घारी विशेष मिठाई परेसता है। जो देश के अन्य शहर में नहीं मिलता। सूरती एक ही दिन में करोड़ों स्पैये की घारी मिठाई खा जाएंगे। लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने अलग-अलग टीमें बनाकर सैंपल लेना शुरू कर दिया है।

घारी के अंदर विशेष स्पैस दूध का मावा (खोया) उत्याग किया जाता है, सूखे मेवे और घी का उपयोग बड़ी मात्रा में किया जाता है। कई विक्रेता अपने उत्पाद में अधिक लाभ पाने की उमीद में गुणवत्ता पूर्ण मावा और घी का उपयोग करने के बजाय

शुरू कर दिया गया है। 18 अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। जिसके कारण ये लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं।

इलाकों में जाकर सैंपलांग की कार्रवाई शुरू कर दी है। चांदनी पडवा से पहले लिए गए नमूनों की रिपोर्ट आएंगी और उसके आधार पर स्वास्थ्य विभाग घारी में किसी भी तरह की मिलावट पाएं जाने पर तुरंत कार्रवाई करेगा।

कम लागत वाले कच्चे माल शुरू कर दिया गया है। 18 अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। जिसके कारण ये लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने घारी के सैंपल लेने शुरू कर दी है, जिसमें खासतौर पर मावा और घी की गुणवत्ता की जांच की जाएंगी।

स्वास्थ्य अधिकारी ए.जे. गोहिल ने कहा कि आगामी चांदनी पडवा त्योहार को देखते हुए घारी के नमूने लेना

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन पर किसानों का प्रदर्शन, बिजली लाइनों का मुआवजा न मिलने पर किसान आक्रामक

**क्रांति समय**

[www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com)  
[www.guj.krantisamay.com](http://www.guj.krantisamay.com)  
[www.epaper.krantisamay.com](http://www.epaper.krantisamay.com)  
[www.rti.krantisamay.com](http://www.rti.krantisamay.com)

सूरत : पलसाना तहसिल सूरत जिले की प्रमुख औद्योगिक इकाई है। इस तहसिल के किसानों ने दास्तान स्थित पावर ग्रेड कॉर्पोरेशन कार्यालय पर हंगामा किया।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन का सूरत जिला मुख्यालय यहां दास्तान में स्थित है। हालांकि आज किसानों के यहां प्रस्तुति देने अपने पर भी उचित जवाब नहीं की गई है, इसलिए पलसाना तालुक के किसान मुआवजे के मामले में उग्र हो गए हैं। वहीं आज उन्होंने पावर ग्रिड तालुक कार्यालयों पर दबाव डाले और कहें कि चोरासी के लिए किसानों को 15 फीसदी मुआवजा देने का फैसला किया गया। लेकिन कई महीने बीत जाने के

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के दास्तान के आदेलन तेज करने की भी धमकी दी है।

## सीआरपीएफ की महिला बाइकर्स की टीम को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने झंडी दिखाकर केवड़िया रखाया किया

सीआरपीएफ की महिला बाइकर्स की ओर से राष्ट्रस्तरीय बाइक रैली का आयोजन किया गया है।

कन्याकुमारी से 3 अक्टूबर को शुरू हुई रैली का 31 अक्टूबर को केवड़िया में समापन होगा।

**क्रांति समय**

[www.krantisamay.com](http://www.krantisamay.com)  
[www.guj.krantisamay.com](http://www.guj.krantisamay.com)  
[www.epaper.krantisamay.com](http://www.epaper.krantisamay.com)  
[www.rti.krantisamay.com](http://www.rti.krantisamay.com)

सूरत : बेटी बच्चाओं-बेटी अभियान के साथ सीआरपीएफ की महिला बाइकर्स की रैली सूरत पहुंची। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीआरपाटिल ने रैली को झंडी दिखाकर रखाया किया।



उमिया धाम में रात्रि विश्राम के बाद गुस्ताव को सुबह झंडी दिखाकर आगे और रखाया किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर ने महिला बाइकर्स की टीम को तीन हिस्सों में बांटा गया है। इसमें तीसरी टीम डांग के सापुत्रारा से होते हुए सूरत पहुंचेगी। वराण्णा के केवड़िया पहुंचेगी।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएं और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा। मोबाईल:-987914180 या फोटा, वीडियो हमें भेजे।

</